विषय: हिन्दी साहित्य

कार्यक्रम: प्रमाण पत्र **कक्षा: बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर** **सत्र: 2025–26**

कोर कोर्स (Core Course) – प्रश्नपत्र प्रथम

पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिन्दी व्याकरण एवं रचनात्मक लेखन / बोध

क्रेडिट: 6

कुल अंक: अधिकतम: 100 (30 आंतरिक + 70 बाह्य) **न्यूनतम उत्तीर्णांक:** 40

कुल व्याख्यान संख्या: 90

पूर्व परीक्षा (यदि कोई हो): इस कोर्स को पढ़ने के लिए विद्यार्थी को किसी भी विषय से 12वीं पास होना आवश्यक है।

पाठ्यक्रम अध्ययन की प्रतिलाभ

1. विद्यार्थी हिन्दी भाषा के व्याकरण की परंपरा एवं प्राचीन व्याकरणों के योगदान से परिचित होंगे।
2. हिन्दी की समृद्ध शब्द संपदा से परिचय प्राप्त करेंगे।
3. भाषिक ज्ञान में वृद्धि होगी।
4. रचनात्मक लेखन में दक्षता प्राप्त कर पाएंगे, जिससे रोजगार की संभावनाएँ बढ़ेंगी।

इकाई – I: हिन्दी भाषा और व्याकरण: परिशीलनात्मक पृष्ठभूमि **व्याख्यान संख्या: 18**

विषयवस्तु:

1. **हिन्दी भाषा का उत्पत्ति और विकास**
2. **हिन्दी व्याकरण के विकास में भारतीय ज्ञान परंपरा**
3. **संस्कृत एवं हिन्दी व्याकरणों का संक्षिप्त परिचय**
   - पाणिनि
   - कात्यायन
   - किशोरीलाल गोस्वामी
   - सुनीतिकुमार चाटुर्जी
   - कामता प्रसाद गुरु
4. **भाषा और व्याकरण का अन्तःसंबंध**

गतिविधियाँ:

- व्याकरण के उद्भव व विकास का प्रवाह तालिका (फ्लो चार्ट) बनाना
- आलेख / शोध आलेख लेखन

इकाई – II: वर्ण-प्रकरण **व्याख्यान संख्या: 18**

विषयवस्तु:

1. **वर्ण-विचार**
2. **वर्णों का शोध**
3. **संधि प्रकरण**

गतिविधियाँ:

- वर्णों के शोध का अभ्यास
- संधि प्रकरण की प्रवाह तालिका बनाना, वर्णों के शोध का अभ्यास

इकाई – III: शब्द–सम्पदा **व्याख्यान संख्या: 18**

विषयवस्तु:

1. **शब्द-संरचना एवं शब्दस्रोत**
2. **शब्द–भेद**
    - संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि
3. **शब्द–रूप**
    - विलोम, पर्याय, अनेकार्थी, मुहावरे आदि
4. **पारिभाषिक एवं मानक शब्दावली**
5. **समास**

गतिविधियाँ:

- नवीन शब्द सृजन, शब्दों के स्रोतों का अध्ययन
- काव्यात्मक शब्दों की उत्पत्ति और विकास की कहानी का विश्लेषण
- शब्द संकलन एवं अर्थ की प्रासंगिकता पर चर्चा

इकाई–IV: वाक्य-रचना **व्याख्यान संख्या: 18**

विषयवस्तु:

1. **वाक्य-विन्यास (प्रक्रम)**
2. **वाक्य के भेद**
    - रचना एवं प्रयोग के आधार पर
3. **वाक्य शुद्धि**
4. **विराम चिन्ह**
    - परिचय एवं प्रयोग

गतिविधियाँ:

- रचना के आधार पर विद्यार्थियों द्वारा नवीन वाक्यों की निर्मिति का अभ्यास
- शुद्ध लेखन एवं सुलेखन का अभ्यास

इकाई–V: रचनात्मक बोध **व्याख्यान संख्या: 18**

विषयवस्तु:

1. **अपठितांश** (गद्य-पद्य)
2. **पत्र–लेखन**
3. **संक्षेपण एवं फलकथन**
4. **अनुवाद प्रकरण**
5. **निबंध–निर्देशन**

शिक्षण योजना और प्रशिक्षण गतिविधियाँ

- विद्यार्थियों से अपठितांश के गद्य-पद्य हिस्सों का अभ्यास और उत्तर लेखन
- पत्र लेखन पर व्यावहारिक कार्य
- संक्षेपण और फलकथन के अभ्यास पर आधारित गतिविधियाँ
- अनुवाद प्रकरण के अंतर्गत विभिन्न भाषाओं के बीच अनुवाद का अभ्यास

- निबंध लेखन अभ्यास: विभिन्न विषयों पर निर्देश देना

गतिविधियाँ:

- स्थानिक शब्दों की व्युत्पत्ति की कहानी
- निबंध लेखन का अभ्यास
- संक्षेपण / फलकथन

सार बिंदु (के वर्ड्स):

वर्ण प्रकरण, शब्दस्रोत, पदक्रम, पारिभाषिक शब्दावली, शब्द रूप

भाग–स : अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें / ग्रंथ / अन्य पाठ्यसामग्री:

1. गुरु कामता प्रसाद – *हिन्दी व्याकरण*, लोकभारती प्रकाशन
2. डोबरियाल, खुशीराम – *स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी साहित्य*, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी
3. पाण्डेय, घनश्याम – *वृहद सामान्य हिन्दी*, विद्या मंदिर प्रकाशन
4. झक्बर्ती, पी.बी. – *भारतीय संस्कृति में विज्ञान के तत्व*, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी
5. श्रीवास्तव, रवीन्द्रनाथ – *हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र*, राधाकृष्ण प्रकाशन
6. उपाध्याय, राजकुमार – *हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएं*
7. शर्मा, रघुवीर – *'उपन्यासों में तार्किक संवाद'*, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी
8. तिवारी, गंगा सहाय – *हिन्दी भाषा*, किताब महल
9. तिवारी, गंगानाथ – *हिन्दी भाषा का इतिहास*, वाणी प्रकाशन
10. नन्दन वाग्देव प्रसाद – *हिन्दी व्याकरण और रचना*, भारतीय भवन
11. मिश्र, विहारीलाल – *भारतीय परम्परा*, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी